N.12 : आरआरकेट में माह जुलाई, 2014 से दिसंबर, 2014 तक की अवधि के दौरान हिन्दी के प्रचार–प्रसार से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ

राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इन्दौर में राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार के क्षेत्र में किए गए कार्यों तथा प्रमुख उपलब्धियों का ब्यौरा निम्नानुसार है :–

1. **राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें :** राभाकास की 102 एवं 103वीं बैठक का आयोजन दिनांक 30.09.2014 एवं 08.12.2014 को किया गया जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई तथा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

2. **हिन्दी कार्यशाला का आयोजन :** दिनांक 01.09.2014 तथा 11.09.2014 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रशासनिक एवं लेखा प्रभाग के कार्मिकों तथा हिन्दी की तिमाही प्रगति रिपोर्ट से संबंधित सहायकों को प्रशिक्षित किया गया। इसी प्रकार 26 नवंबर 2014 को केन्द्र के हिन्दीतर भाषी कार्मिकों के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशालाओं में कार्मिकों को तिमाही रिपोर्ट भरने में आने वाली कठिनाईयां, यूनिकोड के माध्यम से हिन्दी में कार्य, संघ की राजभाषा नीति, परमाणु ऊर्जा विभाग की गतिविधियां आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया । कार्यशाला में प्रशिक्षित सभी कर्मचारियों से अपने रोजमर्रा के सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग करने का अनुरोध किया गया।

3. **राजभाषा निरीक्षण :–** परमाणु ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार राजभाषा संबंधी प्रावधानों के कार्यान्वयन की प्रगति का मूल्यांकन करने हेतु राजभाषा निरीक्षण समिति द्वारा आरआरकेट के निदेशक कार्यालय एवं अग्निशमन एवं संरक्षा अनुभाग का निरीक्षण दिनांक 14.11.2014 को किया गया।

4. **हिन्दी दिवस समारोह एवं हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन :–** आरआरकेट की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन मंगलवार 16 सितंबर 2014 को अपरान्ह 2.30 बजे आरआरकेट के मुख्य सभागृह में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वार्ताकार श्री एस.के. मल्होत्रा, अध्यक्ष, जन जागरूकता प्रभाग एवं प्रवक्ता, परमाणु ऊर्जा विभाग, मुबंई थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पी.डी. गुप्ता, निदेशक, आरआरकेट इन्दौर ने की। इस अवसर पर श्री बी.के. जेना, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एवं राभाकास के अध्यक्ष भी उपस्थित थे। प्रमुख वार्ताकार एवं परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रवक्ता श्री एस.के. मल्होत्रा ने 'नाभिकीय ऊर्जा – अपरिहार्यता, भ्रांतियां एवं वास्तविकता'' विषय पर वार्ता प्रस्तुत करते हुए बताया कि आम जनता में नाभिकीय ऊर्जा के प्रति बहुत सी शंकाएं है जो सच नहीं है। वास्तविकताएं कुछ और ही है। उन्होंने कहा कि हमारे पास पर्याप्त कोयला, पर्याप्त पानी नहीं है। न ही नवीकरणीय ऊर्जा के दोहन के पूर्ण संसाधन है। अत: हमारे पास परमाणु ऊर्जा ही विकल्प है । उन्होंने कहा कि नाभिकीय क्षेत्र में दुर्घटनाओं की संभावनाएं शून्य है। फूकुशिमा दुर्घटना में नाभिकीय संयंत्र में किसी भी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई। अनेक लोगों की मौत का कारण सुनामी से आयी बाढ़ थी। रेडियोसक्रियता के बारे में बताया कि संयंत्र के बाहर 6 स्तरीय सुरक्षा आवरण होता है। अत: इसमें कोई खतरा नहीं। इससे अधिक रेडियोसक्रियता हमें प्राकृतिक रूप से प्राप्त होती है। उन्होंने अनेक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि हमें परमाणु ऊर्जा से डरने की कोई जरूरत नहीं है। दिनांक 17 सितंबर, 2014 से 29 सितंबर 2014 के दौरान केन्द्र में कुल 10 हिन्दी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

5. **हिन्दी पुस्तकों एवं पत्रिकाओं की खरीद :** उक्त अवधि के दौरान कुल 34800/– रुपये की हिन्दी पुस्तकों एवं पत्रिकाओं की खरीद की गई।

हिन्दी दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री एस.के. मल्होत्रा, प्रमुख जनजागरूकता प्रभाग, पऊवि, मुंबई, साथ में है डॉ. पी.डी. गुप्ता, निदेशक, आरआरकेट, श्री बी.के. जेना, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एवं अध्यक्ष राभाकास, तथा श्री आर. सत्यमूर्ति, संयुक्त नियंत्रक (वित्त एवं लेखा), सभागृह में उपस्थित श्रोतागण।

मनोज कुमार शर्मा, उपनिदेशक (राजभाषा)
(manojsharma@rrcat.gov.in)